

## नीरीचे संचालक डॉ. एस. वेंकट मोहन 'विज्ञान श्री' पुरस्काराने गौरवान्वित

राष्ट्रपती द्वापदी मुर्मू यांच्या हस्ते सन्मान

◆ नागपूर, २३ डिसेंबर

पर्यावरण विज्ञान क्षेत्रातील उल्लेखनीय योगदानाबद्दल सीएसआयआर- राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संशोधन संस्था (नीरी), नागपूरचे संचालक डॉ. एस. वेंकट मोहन यांना वर्ष २०२५चा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 'विज्ञान श्री' राष्ट्रपती द्वापदी मुर्मू यांच्या हस्ते प्रदान करण्यात आला. राष्ट्रपती भवनात आयोजित समारंभात हा सन्मान त्यांना देण्यात आला. पर्यावरण विज्ञान व अभियांत्रिकी क्षेत्रात केलेल्या मूलभूत, नावीन्यापूर्ण आणि समाजोपयोगी संशोधनासाठी डॉ. मोहन याची या पुरस्कारासाठी निवड करण्यात आली. हा



पुरस्कार त्यांच्या शाश्वत पर्यावरणीय तंत्रज्ञानाच्या विकासासाठी असलेल्या सातत्यपूर्ण प्रयत्नांची आणि संशोधनातील उत्कृष्टतेची पावती आहे. डॉ. मोहन याचे संशोधन जैव-अभियांत्रिकी व परिपत्र

जैव-अर्थव्यवस्था (सकर्यूलर बायोइंजिनीरी) या संकल्पनांवर आधारित आहे. बायोरिफियनी, निम्न-कार्बन ऊर्जा आणि 'अपशिष्ट' ते संपदा' (वेस्ट-टू-वेल्थ) तंत्रज्ञान या क्षेत्रांतील त्यांच्या अग्रगण्य कार्यामुळे सांडपाणी प्रक्रिया, कार्बन डायऑक्साईड जैव-अवशोषण (बायो-सीक्लोरेशन) आणि पर्यावरणपूरक ऊर्जा निर्मितीला नवी दिशा मिळाली आहे. त्यांच्या संशोधनामुळे पर्यावरणीय समस्यांवर व्यवहार्य व मोजमापयोग्य उपाय उपलब्ध झाले आहेत. आतापर्यंत त्यांनी ४५० हून अधिक संशोधन शोधनिबंध प्रकाशित केले असून १६ पेटंट्स त्यांच्या नावावर नोंदवणीकृत आहेत. तसेच ४२ पीएच. डी. संशोधकांना त्यांनी यशस्वी मार्गदर्शन केले आहे. ▶(तथा वृत्तसेवा)

# नीरीचे संचालक एस. वैंकट मोहन 'विज्ञान श्री' पुरस्काराने सन्मानित

राष्ट्रपतींच्या हस्ते नवी  
दिल्ली येथे गौरव

लोकमत न्यूज नेटवर्क

**नागपूर :** राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संशोधन संस्था (सीएसआयआर-नीरी)चे संचालक डॉ. एस. वैंकट मोहन यांना विज्ञान क्षेत्रात दिला जाणारा 'विज्ञान श्री' पुरस्कार प्रदान करून सन्मानित करण्यात आले. वर्ष २०२५ साठी हा पुरस्कार पर्यावरण विज्ञान क्षेत्रातील त्यांच्या उल्लेखनीय योगदानाबद्दल राष्ट्रपती द्वौपदी मुर्मू यांच्या हस्ते राष्ट्रपती भवन, नवी दिल्ली येथे आयोजित समारंभात प्रदान करण्यात आला.

विज्ञान, तंत्रज्ञान, अभियांत्रिकीच्या क्षेत्रात असाधारण कामगिरी करणाऱ्या वैज्ञानिकांना दरवर्षी राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्काराने सन्मानित केले जाते. यामध्ये प्रथ्यायात खगोलशास्त्रज्ञ दिवंगत जयंत नारळीकर यांना आज राष्ट्रपती द्वौपदी मुर्मू यांच्या हस्ते मरणोपरांत 'विज्ञान रत्न' पुरस्कार प्रदान करण्यात आला आहे. या सोहळ्यात देशभरातील २५ वैज्ञानिकांना राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार देऊन सन्मानित केले. यात विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा-शांती स्वरूप भट्टनागर आणि विज्ञान टीम अशा श्रेणीचा समावेश आहे. नीरीचे संचालक डॉ. एस. वैंकट मोहन यांना विज्ञान श्री पुरस्काराने गौरविण्यात आले.

डॉ. मोहन यांचे संशोधन शाश्वततेवर आधारित जैव-अभियांत्रिकी, तसेच परिपत्र जैव-अर्थव्यवस्था (सर्कुर्युल बायोइकोनॉमी) या दृष्टिकोनांतून महत्त्वाच्या पर्यावरणीय आव्हानांवर उपाय सुचवणारे आहे. बायोरिफायनरी, निम्न-कार्बन ऊर्जा आणि अपशिष्ट-तेसंपदा (वेस्ट-दू-वेल्थ) तंत्रज्ञानावरील



राष्ट्रपती द्वौपदी मुर्मू यांच्याहस्ते 'विज्ञान श्री' पुरस्कार स्वीकारताना नीरीचे संचालक डॉ. एस. वैंकट मोहन.

“

हा पुरस्कार मिळाल्याचा अत्यंत आनंद आहे. हा पुरस्कार अशावेळी मिळाला, जेहा देश आणि संपूर्ण विश्व दर दिवशी पर्यावरणीय समस्यांचा सामना करीत आहे. त्यामुळे पुरस्कारामुळे जबाबदारीही वाढल्याची जाणीव होत आहे. मात्र, सरकारच्या पुढाकारातून पर्यावरणाच्या समस्या सोडवून भविष्य सुकर करण्याची ताकदही मिळाली आहे. पर्यावरण विज्ञान व संपूर्ण विज्ञान क्षेत्रात कामगिरीसाठी मिळणारे हे पुरस्कार तरुण पिढीसाठी प्रेरणादारी आहेत.

डॉ. एस. वैंकट मोहन, संचालक, सीएसआयआर-नीरी, नागपूर

त्यांच्या संशोधन कार्यामुळे सांडपाणी प्रक्रिया तसेच सीओ२ जैव-अवशोषण (बायो-सीक्वेस्ट्रेशन) क्षेत्रात नाविन्यपूर्ण उपाय विकसित करण्यात मदत मिळाली आहे. पर्यावरण जैव-तंत्रज्ञान क्षेत्रात डॉ. मोहन यांनी ४५० हून अधिक संशोधन लेख प्रकाशित केले असून, १६ पेटंदस मिळवली आहेत. तसेच, ४२ पीएच.डी. संशोधकांचे मार्गदर्शन केल्याने त्यांना जागतिक स्तरावर विशेष ओळख प्राप्त झाली आहे.

## सत्कार : राष्ट्रपति ने प्रदान किया 'विज्ञान श्री' सम्मान नीरी के निदेशक डॉ. एस वेंकट मोहन सम्मानित

■ नागपुर, व्यापार संवाददाता. राष्ट्रपति द्वारा प्रदीपदी मुर्मू ने वर्ष 2025 के लिए राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 'विज्ञान श्री' से सीएसआईआर-नीरी के निदेशक डॉ. एस वेंकट मोहन को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में सम्मानित किया। डॉ. एस वेंकट मोहन को यह सम्मान पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, विशेषकर पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। पदक एवं प्रशस्ति पत्र से युक्त यह सम्मान डॉ. मोहन के असाधारण अनुसंधान, अटूट प्रतिबद्धता तथा सतत पर्यावरणीय प्रौद्योगिकियों के विकास के प्रति उनके समर्पण और जुनून का प्रमाण है जो निरंतर वैज्ञानिक समुदाय को प्रेरित करता रहा है। उनका अनुसंधान सततता-आधारित जैव-अभियांत्रिकी तथा परिपत्र जैव-अर्थव्यवस्था (सर्कुलर बायोइकोनॉमी)



दृष्टिकोणों के माध्यम से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है। बायोरिफाइनरी, निम्न-कार्बन ऊर्जा तथा अपशिष्ट से संपदा (वेस्ट टू वेल्थ) प्रौद्योगिकियों पर उनके अग्रणी कार्यों ने अपशिष्ट जल उपचार और सीओ<sub>2</sub> जैव-अवशोषण (बायो-सीक्वेस्ट्रेशन) के क्षेत्र में मापनीय एवं नवोन्मेषी समाधान विकसित किए हैं।

## नीरी के निदेशक एस. मोहन ‘विज्ञान श्री’ से सम्मानित



राष्ट्रपति द्वारा मुर्मु से पुरस्कार प्राप्त करते नीरी के निदेशक एस. वेंकट मोहन

**नागपुर:** सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी), नागपुर के निदेशक डॉ. एस.वेंकट मोहन को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार-विज्ञान श्री से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डॉ. मोहन को राष्ट्रपति द्वारा मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में आयोजित समारोह में पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2025 के लिए प्रदान किया।

डॉ. मोहन का अनुसंधान सततता-आधारित जैव-अभियांत्रिकी तथा परिपत्र जैव-अर्थव्यवस्था (सर्कुलर बायोइकोनॉमी) दृष्टिकोणों के माध्यम से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है। बायोरिफाइनरी, निम्न-कार्बन ऊर्जा तथा अपशिष्ट-से-संपदा (वेस्ट-टू-वेल्थ) प्रौद्योगिकियों पर उनके अग्रणी कार्यों ने अपशिष्ट जल उपचार और सीओ2 जैव-अवशोषण (बायो-सीक्योस्ट्रेशन) के क्षेत्र में मापनीय एवं नवोन्मेषी समाधान विकसित किए हैं। पर्यावरण जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके 450 से अधिक

यह पुरस्कार प्राप्त करने पर मैं आनंदित हूं। यह सम्मान ऐसे समय में मिला है, जब देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व प्रतिदिन गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का सामना कर रहा है। इसलिए इस पुरस्कार के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ गई है, ऐसा मुझे गहराई से महसूस हो रहा है। लेकिन सरकार के सहयोग और पहल से पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान तथा भविष्य को अधिक सुरक्षित और सतत बनाने की शक्ति भी मिली है। पर्यावरण विज्ञान और समग्र विज्ञान क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए मिलने वाले ऐसे पुरस्कार युवा पीढ़ी के लिए निश्चित रूप से प्रेरणादायी हैं।

- डॉ. एस. वेंकट मोहन  
निदेशक, नीरी  
नागपुर

शोध प्रकाशनों, 16 पेटेंट तथा 42 पीएचडी। शोधार्थियों के मार्गदर्शन ने उन्हें वैशिक स्तर पर पहचान दी है।

# Prez Murmu Confers Vigyan Shri On Neeri Director Dr S Venkata Mohan

Sarfaraz.Ahmed@timesofindia.com

**Nagpur:** President Droupadi Murmu conferred the Rashtriya Vigyan Puraskar-Vigyan Shri for the year 2025 on Dr S Venkata Mohan, director of the CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI), Nagpur, at a prestigious ceremony held at Rashtrapati Bhavan on Tuesday. Dr Mohan was honoured for his exemplary contributions in the field of environmental science.

The Vigyan Shri, one of the highest national recognitions in science and technology, is a tribute to Dr Mohan's outstanding research, sustained com-



CSIR-Neeri director Dr S Venkata Mohan gets award from President Droupadi Murmu

mitment, and pioneering work in environmental science and engineering. The award, which includes a medal and a citation, acknowledges his im-

pactful efforts in advancing sustainable and innovative environmental technologies that have gained national and global recognition.

Dr Mohan's research focuses on addressing environmental problems through sustainability-driven bioengineering and circular bioeconomy approaches. His pioneering work in biorefineries, low-carbon energy systems, and waste-to-wealth technologies resulted in scalable and practical solutions for wastewater treatment, resource recovery, and carbon dioxide bio-sequestration. These innovations contributed significantly to improving environmental sustainability.

# President Murmu honours CSIR-NEERI Director Dr Mohan with Vigyan Shri 2025 Award

■ Staff Reporter

DR S Venkata Mohan, Director, CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI), Nagpur has been honoured with Rashtriya Vigyan Puraskar - Vigyan Shri for the year 2025 at the hands of President of India Droupadi Murmu at a ceremony held at Rashtrapati Bhavan in Delhi.

Dr S Venkata Mohan bagged this award in the field of Environmental Science. This eminent national recognition is a richly deserved tribute to his outstanding contributions to science and technology, particularly in environmental science and engineering. The prestigious award, comprising a medal and a citation, stands as a testament to Dr Mohan's exceptional research, unwavering commitment, and passion for advancing sustainable environmental technologies that continue to inspire the scientific community.

Dr Mohan's research address-



President of India Droupadi Murmu felicitating Dr S Venkata Mohan with Vigyan Shri 2025 at Rashtrapati Bhavan.

es critical environmental challenges through sustainability-driven bioengineering and circular bioeconomy approaches. His pioneering work on biorefineries, low-carbon energy, and waste-to-wealth technologies has led to scalable innovations in wastewater treatment and CO<sub>2</sub> bio-sequestration. With over 450 publications, 16 patents, and the successful supervision

of 42 Ph.D scholars, his globally recognised contributions have significantly advanced the field of environmental biotechnology. Dr Mohan is also a recipient of several prestigious honours, including the Shanti Swarup Bhatnagar Prize, the INAE-SERB Abdul Kalam Technology Innovation National Fellowship, and the DBT-Tata Innovation Fellowship.

# President confers Vigyan Shri on NEERI director Dr Mohan

LOKMAT NEWS NETWORK  
NAGPUR

The President of India, Droupadi Murmu, conferred the Rashtriya Vigyan Puraskar – Vigyan Shri for the year 2025 on director of CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI), Nagpur, Dr S Venkata Mohan ceremony held at Rashtrapati Bhavan, in New Delhi on Tuesday.

Dr S Venkata Mohan was honoured in the field of Environmental Science.

This eminent national rec-



President Droupadi Murmu conferring the Rashtriya Vigyan Puraskar – Vigyan Shri to director of CSIR-NEERI Dr S Venkata Mohan.

ognition is a richly deserved tribute to his outstanding contrib-

utions to science and technology, particularly in environmental science and engineering.

The prestigious award, comprising a medal and a citation, stands as a testament to Dr Mohan's exceptional research, unwavering commitment, and passion for advancing sustainable environmental technologies that continue to inspire the scientific community.

Dr Mohan's research addresses critical environmental challenges through sustainability-driven bioengineering and circular bioeconomy approaches.

# President Murmu honours CSIR-NEERI Director Dr Mohan with Vigyan Shri 2025 Award

■ Staff Reporter

DR S Venkata Mohan, Director, CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI), Nagpur has been honoured with Rashtriya Vigyan Puraskar - Vigyan Shri for the year 2025 at the hands of President of India Droupadi Murmu at a ceremony held at Rashtrapati Bhavan in Delhi.

Dr S Venkata Mohan bagged this award in the field of Environmental Science. This *eminent national recognition* is a richly deserved tribute to his outstanding contributions to science and technology, particularly in environmental science and engineering. The prestigious award, comprising a medal and a citation, stands as a testament to Dr Mohan's exceptional research, unwavering commitment, and passion for advancing sustainable environmental technologies that continue to inspire the scientific community.

Dr Mohan's research address-



President of India Droupadi Murmu felicitating Dr S Venkata Mohan with Vigyan Shri 2025 at Rashtrapati Bhavan.

es critical environmental challenges through sustainability-driven bioengineering and circular bioeconomy approaches. His pioneering work on biorefineries, low-carbon energy, and waste-to-wealth technologies has led to scalable innovations in wastewater treatment and CO<sub>2</sub> bio-sequestration. With over 450 publications, 16 patents, and the successful supervision

of 42 Ph.D scholars, his globally recognised contributions have significantly advanced the field of environmental biotechnology. Dr Mohan is also a recipient of several prestigious honours, including the Shanti Swarup Bhatnagar Prize, the INAE-SERB Abdul Kalam Technology Innovation National Fellowship, and the DBT-Tata Innovation Fellowship.

## नीरी के निदेशक एस. मोहन 'विज्ञान श्री' से सम्मानित



राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मु से पुरस्कार प्राप्त करते नीरी के निदेशक एस. वेंकट मोहन

**नागपुर:** सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-नीरी), नागपुर के निदेशक डॉ. एस.वेंकट मोहन को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार-विज्ञान श्री से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार डॉ. मोहन को राष्ट्रपति द्वापदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन, दिल्ली में आयोजित समारोह में पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 2025 के लिए प्रदान किया।

डॉ. मोहन का अनुसंधान सततता-आधारित जैव-अभियांत्रिकी तथा परिपत्र जैव-अर्थव्यवस्था (सर्कुलर बायोइकोनॉमी) दृष्टिकोणों के माध्यम से महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है। बायोरिफाइनरी, निम्न-कार्बन ऊर्जा तथा अपशिष्ट-से-संपदा (वेस्ट-टू-वेल्थ) प्रौद्योगिकियों पर उनके अग्रणी कार्यों ने अपशिष्ट जल उपचार और सीओ2 जैव-अवशोषण (बायो-सीक्युरिटेशन) के क्षेत्र में मापदंशीय एवं नवोन्मेषी समाधान विकसित किए हैं। पर्यावरण जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके 450 से अधिक

यह पुरस्कार प्राप्त करने पर मैं आनंदित हूं। यह सम्मान ऐसे समय में मिला है, जब देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व प्रतिदिन गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का सामना कर रहा है। इसलिए इस पुरस्कार के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ गई है, ऐसा मुझे गहराई से महसूस हो रहा है। लेकिन सरकार के सहयोग और पहल से पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं के समाधान तथा भविष्य को अधिक सुरक्षित और सतत बनाने की शक्ति भी मिली है। पर्यावरण विज्ञान और समग्र विज्ञान क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए मिलने वाले ऐसे पुरस्कार युवा पीढ़ी के लिए निश्चित रूप से प्रेरणादायी हैं।

**- डॉ. एस. वेंकट मोहन  
निदेशक, नीरी  
नागपुर**

शोध प्रकाशनों, 16 पेटेंट तथा 42 पीएच.डी. शोधार्थियों के मार्गदर्शन ने उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान दी है।